Regarding PMAY

श्री करण भूषण सिंह (कैसरगंज) : सभापति महोदया, धन्यवाद । आज मुझे बड़े महत्वपूर्ण विषय पर अपनी बात रखने का मौका दिया गया है । घर बनाना एक सपना है, जो हर किसी के दिल में बसता है । यह एक ऐसी जगह है, जहां हम अपने परिवार के साथ सुरक्षित और खुश महसूस करते हैं । जिनके पास सुरक्षित ठिकाना है, उन्हें अपने जीवन के दूसरे लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए साहस प्रदान करता है । मेरा भी एक छोटा सा सुझाव प्रधानमंत्री आवास योजना के सम्बन्ध से जुड़ा हुआ है । ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में परिवारों में विभाजन के कारण प्रति वर्ष लाखों की संख्या में आवासविहीन पात्र लाभार्थियों की संख्या में बढ़ोतरी होने के शाश्वत प्रक्रिया है, जिस पर नियंत्रण करना संभव नहीं है, इसलिए इसके स्थायी समाधान का चिंतन जरूरी हैं । लम्बे अंतराल तक सर्वे न होने और ऐसे लोगों को पात्रता की सूची में जगह न मिलने के कारण ये आवासविहीन बैकलॉग बनते है ।

मेरी मांग है कि हर वित्तीय वर्ष में एक बार प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्रता मानकों को दृष्टिगत रखते हुए ऐसे लोगो को भी पात्रता सूची में नीचे जोड़ दिया जाना चाहिए, जो वाजिब कारणों से परिवार के विभाजन से आवासविहीन की श्रेणी में आ गए है । मेरा दूसरा सुझाव है कि जिस स्वरूप के आवास निर्माण की कल्पना हम करते है, वैसा स्वरूप लाभार्थियों के घर पहुंचने पर देखने को नहीं मिलता है । इसके कई कारणों में लोग अलग-अलग तर्क देते हैं । लाभार्थियों का कहना है कि बजट कम है, इसलिए फर्श और प्लास्टर का काम नहीं हो पाता है । कुछ लोग एस्टीमेट और निर्माण सामग्री की कीमत में अंतर को दोष देते है । ? (व्यवधान) मैडम, बहुत दिनों बाद समय मिला है । मैं ग्रामीण विकास मंत्री जी से अनुरोध करता हूँ कि इसकी चिंता करें और इसका समाधान करें ।